भारतसरकार

भारत मौसम विज्ञान विभाग,

कृषिसलाहकार एकक,प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र ।

साल-25, क्रमांक :- 06/2017-18/शुक्र. समय अपराह्न 2.30 बजे दिनांक: 19-01-2018

बीते सप्ताह का मौसम (13 से 19 जनवरी, 2018)

सप्ताह के दौरान आसमान में सुबह के समय हल्का कोहरा रहा। दिन का अधिकतम तापमान 21.8 से 25.0 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 18.2 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 1.7 से 4.9 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 5.9 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 78 से 97 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 30 से 48 प्रतिशत दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 6.0 घंटे प्रति दिन (साप्ताहिक सामान्य 5.3 घंटे) धूप खिली रही। हवा की औसत गति 3.7 कि.मी प्रति घंटा (साप्ताहिक सामान्य 3.4 कि.मी .प्रति घंटा) तथा वाष्पीकरण की औसत दर 2.6 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 2.2 मि.मी) प्रति दिन रही। सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न को हवा अधिकतर शांत रही तथा अपराह्न को भिन्न-भिन्न दिशाओं से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व/दिनांक	20-01-18	21-01-18	22-01-18	23-01-18	24-01-18
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	3.0	0.0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	25	25	25	22	23
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	08	07	08	11	08
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	6	4
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	95	95	95	95	90
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	45	40	45	40	40
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	05	10	15	05
हवा की दिशा	पश्चिम-उत्तर -पश्चिम	पश्चिम-उत्तर -पश्चिम	दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पश्चिम-उत्तर -पश्चिम
साप्ताहिक संचयी वर्षा (मि.मी.)	3.0				

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 24 जनवरी, 2018 तक के लिए

कृषि परामर्श सेवाओं, कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

1. मौसम को ध्यान में रखते हुए किसान भाईयों को सलाह है कि मिर्च, टमाटर व बैंगन की पौधशाला पालीघरों में तैयार करें तथा कद्दूवर्गीय सब्जियों की अगेती फसल की पौध तैयार करने के लिए बीजों को छोटी पालीथीन के थैलों में भर कर पालीघरों में रखें।
2. समय से बोयी गयी गेहूँ में दूसरी सिंचाई करें। सिंचाई के लिए गेहूँ की दूसरी क्रांति अवस्था जो प्राय बुवाई के 42-45 दिन के बाद आती है जब फसल में कल्ले बनते हैं।
3. गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दे तो बचाव हेतु किसान भाई क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. @ 2.0 ली. प्रति एकड़ सिंचाई के साथ दें।

4. मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि सरसों की फसल में चेंपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। प्रारम्भिक अवस्था में प्रभावित भाग को काट कर नष्ट कर दे। यदि प्रकोप अधिक हो तो रोगर या क्यूनलफॉश 2.0 मिली./लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
5. चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड़ उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 10-15% फूल खिल गये हों। "T" अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए।
6. यह मौसम गाजर का बीज बनाने के लिए उपयुक्त है अत: जिन किसा नों ने फसल के लिए उन्नत किस्मों की उच्च गुणवत्ता वाले बीज का प्रयोग किया है तथा फसल 90-105 दिन की होने वाली है,वे जनवरी माह के प्रथम पखवाडें में खुदाई करते समय अच्छी, लम्बी गाजर का चुनाव करें, जिनमे पत्ते कम हो। इन गाजरों के पत्तो को 4 इंच का छोड़ कर उपर से काट दें। गाजरों का भी उपरी 4 इंच हिस्सा रखकर बाकी को काट दें। अब इन बीज वाली गाजरों को 45 से.मी. की दूरी पर कतारों में 6 इंच के अंतराल पर लगाकर पानी लगाए।
7. इस मौसम में तैयार खेतों में प्याज की रोपाई करें। रोपाई वाले पौधे छ: सप्ताह से ज्यादा के नही होने चाहिए। पौधों को छोटी क्यारियों में रोपाई करें। रोपाई से 10-15 दिन पूर्व खेत में 20-25 टन सड़ी गोबर की खाद डालें। 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 60-70 कि.ग्रा. फ़ॉस्फोरस तथा 80-100 कि.ग्रा. पोटाश आखिरी जुताई में ड़ालें। पौधों की रोपाई अधिक गहराई में ना करें तथा कतार से कतार की दूरी 15 से.मी. पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. रखें। प्याज की फसल में हल्की सिंचाई की आवश्यकता होती है अत: 10-12 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
8. इस मौसम में प्याज की समय से बोयी गई फसल में थ्रिप्स के आक्रमण की निरंतर निगरानी करते रहें। कीट के पाये जाने पर इमिडाक्लोप्रिड @ 0.5 मिली./ली. पानी किसी चिपकने वाले पदार्थ जैसे टीपोल आदि(1.0 ग्रा. प्रति एक लीटर घोल) में मिलाकर छिड़काव करें।
9. गोभीवर्गीय फसल में हीरा पीठ इल्ली, मटर में फली छेदक तथा टमाटर में फल छेदक की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड खेतों में लगाएं।

कृषि सलाहकार एकक दिल्ली तथा कृषि विभाग दिल्ली

वैज्ञानिक 'डी'

द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया ।

<u>ई -मेल</u> :

1. उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे ।

2. कृषि एवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न॰ 610 फैक्स न॰ 23710106 ।

डा.पी.सिन्हा (प्रधान वैज्ञानिक, पादप रोग संभाग)